

■ न्यूज गैलरी

गैर जिम्मेदार लोग कहीं भोपाल को भी इंदौर ना बना दें, अभी धैर्य रखना होगा



भोपाल। लॉकडाउन के दूसरे फेज के दूसरे दिन आज भोपाल में जो तस्वीरें सामने आयीं वो चिंता में डालने वाली हैं. कोरोना संक्रमण के कारण कंटैनमेंट घोषित किए गए पुराने भोपाल के कई इलाकों में लोग लॉकडाउन का उल्लंघन कर घर से निकल पड़े. सड़क पर इतनी भीड़ हो गयी कि पुलिस के आला अफसरों को उतरकर सबकी धड़पकड़ करनी पड़ी. कोरोना संक्रमण के मामले में पुराना शहर के कई इलाके कंटैनमेंट घोषित किए गए हैं. बावजूद इसके पुराने शहर में लोग लॉकडाउन का खुलेआम उल्लंघन करते हुए नजर आए. यहां लोगों की भीड़ सड़कों पर उतर आई. सिर्फ पैदल ही नहीं बल्कि गाड़ियों से लोग फरटि भरकर इधर उधर जाते दिखे. पुलिस तो ये देखकर हैरान हो गयी. वो फौरन एक्शन में आ गयी. खुद पुलिस के आला अफसरों को कमान संभालना पड़ी. एसपी शैलेंद्र सिंह चौहान के साथ पुलिस कर्मियों ने बेवजह घूमने वाले लोगों को पकड़ कर उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की. भोपाल में कोरोना वायरस के सबसे ज्यादा मामले पुराने शहर में निकल कर सामने आए हैं. जो मौतें हुई हैं वो भी पुराने शहर से जुड़ी हुई हैं. जहांगीराबाद और इब्राहिमगंज के इलाके में कोरोना पॉजिटिव मरीज की मौत हो चुकी हैं.पुराने शहर में ही लोग सड़कों पर उतर कर लॉकडाउन का उल्लंघन कर रहे हैं.

राशन-पानी लेने निकले लोग

इस भीड़ में सबसे ज्यादा वो लोग थे जिन्हें राशन लेना था या वो बुजुर्ग थे जिन्हें पेंशन का पैसा बैंक से निकालना था. कुछ लोग एलपीजी गैस लेने निकले थे.हैरत करने वाली बात ये है कि सरकार ने निर्देश दिए हैं कि आम लोगों को उनके हाथों में पेंशन का पैसा पहुंचाया जा. इसके अलावा राशन वालों को टोकन जारी किए जाएं, लेकिन इसका पालन शहर में नहीं हो रहा है.उन लोगों की भी कमी नहीं है जो लॉकडाउन में तफरीह करने के लिए निकल रहे हैं.

पुलिस को देखकर बहाने बनाए

लॉकडाउन का उल्लंघन कर रहे लोगों पर पुलिस कार्रवाई कर रही है. पुलिस के सख्ती करने पर कोई बहाना बनाता रहा तो कोई गिड़गिड़ाये लगा. कुछ लोग बहस में उलझे रहे. देश के साथ प्रदेश में भी 3 मई तक लॉक डाउन है. भोपाल में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले 170 तक जा पहुंचे हैं. ऐसे में लोग नहीं चेते तो तय है कि भोपाल को इंदौर बनने में देर नहीं लगी.जरूरत है कि लोग घरों में रहें ताकि कोरोना के फैलते संक्रमण को काबू में किया जा सके.

पुराना शहर है सबसे ज्यादा संवेदनशील

भोपाल में कोरोना वायरस के सबसे ज्यादा मामले पुराने शहर में निकल कर सामने आए हैं. जो मौतें हुई हैं वो भी पुराने शहर से जुड़ी हुई हैं. जहांगीराबाद और इब्राहिमगंज के इलाके में कोरोना पॉजिटिव मरीज की मौत हो चुकी है. इसके अलावा कई इलाके केटोनमेंट घोषित किए गए हैं. पुराने शहर में ही लोग सड़कों पर उतर कर लॉक डाउन का उल्लंघन कर रहे हैं. ऐसे में जरूरत इस बात की है कि लोगों को घरों में रहने की समझाइश दी जाए .ताकि कोरोना के खतरे से भोपाल को ग्रीन जेन वाले सैफ शहर में शामिल किया जा सके.

निगरानी के लिए 10 आईएसएस अधिकारियों को सौंपे गए जिले, राज्य स्तर पर होगी 3 जिलों की समीक्षा

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश में कोरोना की स्थिति विस्फोटक होती जा रही है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा हर जिले की समीक्षा की जा रही है। राज्य शासन ने कोरोना महामारी की स्थिति एवं रोकथाम के लिए प्रतिदिन बारीकी से समीक्षा के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के 10 अधिकारियों को जिले आवटित किये हैं। इंदौर, भोपाल तथा उज्जैन की स्थिति की समीक्षा राज्य स्तर पर की जा रही है। राज्य प्रशासनिक सेवा के चार अधिकारियों को कोविड-19 के प्रबंधन व्यवस्था में सहयोग के लिये राज्य शासन ने कलेक्टर जिला इंदौर के अधीन संबद्ध किया है। इसमें भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) भोपाल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अभय अरविन्द बेडेकर, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के संयुक्त नियंत्रक देवेन्द्र कुमार नोगेन्द्र, जिला राजगढ़ के अपर कलेक्टर विशाल सिंह चौहान और सामान्य प्रशासन के अवर सचिव शाश्वत सिंह मोना शामिल हैं।

एक अन्य आदेश

कोविड-19 के प्रबंधन की व्यवस्था में सहयोग के लिये राज्य शासन ने राज्य प्रशासनिक सेवा के चार अन्य अधिकारियों



को कलेक्टर जिला इंदौर के अधीन संबद्ध किया है। इसमें जिला देवास के संयुक्त कलेक्टर राजेन्द्र सिंह रघुवंशी, जिला झाबुआ के डिप्टी कलेक्टर अनिल भाना, जिला अलीराजपुर के डिप्टी कलेक्टर अखिल रावैर और जिला धार के डिप्टी कलेक्टर भूपेन्द्र रावत शामिल हैं।

जिला भोपाल के अधीन संबद्धता

कोविड-19 के प्रबंधन की व्यवस्था में सहयोग के लिये राज्य शासन ने राज्य प्रशासनिक सेवा के दो अन्य अधिकारियों

को कलेक्टर जिला भोपाल के अधीन संबद्ध किया है। इसमें सामान्य प्रशासन विभाग (पूल) में पदस्थ प्रताप नारायण यादव और राज्य निर्वाचन आयोग के अवर सचिव क्षितिज शर्मा शामिल हैं। कोविड 19 में जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा किए जा रहे कामों की स्वतंत्र समीक्षा के लिए राज्य सरकार ने दस आईएसएस अफसरों की टीम तैनात कर दी है। यह टीम हर दो दिन में मुख्य सचिव को रिपोर्ट करेगी। 10 आईएसएस अधिकारी 49 जिलों की समीक्षा करेंगे।

दिग्विजय सिंह ने सीएम शिवराज को लिखी चिट्ठी, कहा- संतरे की बर्बाद फसल का मिले मुआवजा

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह से किसानों को मुआवजा देने की मांग की है. इस संबंध में सिंह ने मुख्यमंत्री को एक चिट्ठी लिखी है. इस चिट्ठी में हवा और आंधी के कारण संतरे की बर्बाद हुई फसल के लिए मुआवजे की मांग की गई है. कांग्रेस नेता दिग्विजय ने सीएम चौहान को लिखी चिट्ठी में कहा है कि अगर-मालवा क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में किसानों की फसल खराब हो गई है. उन्होंने किसानों को लॉकडाउन के कारण हो रही समस्या पर भी ध्यान दिलाया है. कांग्रेस नेता सिंह का कहना है कि इस कारण मजदूरों की समस्या के साथ साथ बाहरी व्यापारियों को किसान अपनी फसल



नहीं बेच पा रहे हैं. सिंह ने लिखा है कि प्रदेश में कई ऐसे स्थान हो सकते हैं जहां किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है. उन्होंने सीएम से इस मामले में सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए सर्वे करने की मांग की है. साथ ही किसानों को उचित मुआवजा राशि देने के लिए निर्देश देने को कहा है.

थाने के पास बिक रही थी अवैध शराब, आरोपी बोला थाना प्रभारी से और कॉन्स्टेबल हो गई है बात

दो आरक्षक निलंबित, थाना प्रभारी को किया लाइन अटैच

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। जहां एक और कोरोना महामारी के चलते भोपाल की सभी सीमाएं सील कर दी गई हैं और उन पर कड़ी चौकसी रखी जा रही है मैं इस सब के बावजूद भोपाल में शराब माफिया मध्यप्रदेश सरकार के निर्देश का उलंघन करते नजर आ रहे हैं। गांधीनगर क्षेत्र में लोक डाउन के दौरान अवैध शराब की बिक्री का बڑा मामला सामने आया है। शराब व्यापारी खुद शराब की खेप टिकाने लगाते हुए कैमरे में कैद हुआ है। गांधी नगर थाने के 100 मीटर दूरी पर कलाहरी से अवैध रूप से शराब की सप्लाई की जा रही थी।

शराब की खेप छोड़ने की बात

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में शराब माफिया



गांधीनगर थाने के कुछ कॉन्स्टेबल से गांधीनगर थाना प्रभारी का नाम लेकर शराब की खेप छोड़ने की बात करता नजर आ रहा है जिसमें शराब व्यापारी खगु गांधीनगर थाने के ही कॉन्स्टेबल का नाम लेते हुए भी नजर आ रहा है और कॉन्स्टेबल से कह रहा है कि मेरी थाना प्रभारी से और कॉन्स्टेबल से बात हो गई है।

वीडियो मंगलवार रात्रि का बताया जा रहा

वीडियो में शराब माफिया और पुलिस की नोकझोंक भी होती हुई दिखाई दे रही है। वीडियो मंगलवार

नजर आ रहे हैं।

शराब की बिक्री कैसे हो रही थी

शराब व्यापारी खगु की खालियर सिंडीकेट शराब कंपनी के साथ पार्टनरशिप है और गांधीनगर में देसी और अंग्रेजी शराब दुकान का ठेका है। शराब दुकान ठेका सील होने के बाद भी शराब की बिक्री कैसे हो रही थी यह बड़ा सवाल है।

लाइन अटैच किया गया

उधर थाना गांधीनगर क्षेत्र में अवैध शराब की जानकारी जैसे ही पुलिस अधिकारियों को लगी तो उन्होंने शराब व्यापारी खगु तथा अन्य के विरुद्ध धारा 188, 269, 270 भादवि आदि धाराओं के तहत मामला दर्ज करने के आदेश दिए तथा इस प्रकरण में आरक्षक योगेंद्र व आरक्षक कन्हैया को निलंबित कर दिया गया है एवं थाना प्रभारी गांधीनगर विजय बहादुर सिंह सेंगर को लाइन अटैच किया गया है।

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश में कोरोना पॉजिटिव मरीजों का ग्राफ तेजी से रोजाना बढ़ता जा रहा है. राज्य के अब तक 26 जिले कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं. कोरोना के बढ़ते मरीजों की संख्या में दिनों दिन इजाफा देख स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन परेशान और चिंतित हैं. मध्य प्रदेश में पॉजिटिव मामलों की संख्या जहां हजार के पार हो चली है. तो वहीं मौत का आंकड़ा भी 5 दर्जन से ज्यादा बढ़ चुका है.

स्वास्थ्य विभाग में फैला संक्रमण

भोपाल में कोरोना वायरस के संक्रमण स्वास्थ्य विभाग तक फैल गया है. आंकड़ों पर गौर करें तो 165 के पार शहर के कोरोना के पॉजिटिव मरीज हैं जिनमें लगभग

डॉक्टरों के अनुसार थूकने से कोरोना वायरस फैलने का खतरा

नवप्रदेश संवाददाता



भोपाल। डॉक्टरों की यह सलाह भले ही अटपटी लगे, पर आज के संकट में मानवता को बचाने के लिए यह करने में गुरेज नहीं करना चाहिए। अध्ययनों में यह सामने आया कि थूक के जरिए भी कोरोना के विषाणु एक से दूसरे व्यक्ति तक पहुंच कर उसे संक्रमित कर सकते हैं। कई लोग ऐसे होते हैं जिन्हें कोई संक्रामक बीमारी नहीं होती, पर कफ आता रहता है। यह समस्या और सवाल दोनों है कि किसी को सड़क चलते या किसी जगह पर बैठे हुए अचानक बलगम आए तो वह क्या करें। उस व्यक्ति के मन में भी यह सवाल उठेगा कि कफ को निगल लिया तो शरीर में कोई संक्रमण तो नहीं फैल जाएगा। बलगम (कफ) आने की समस्या तीन कारणों से हो सकती है। पहला यह कि व्यक्ति को किसी तरह का संक्रमण है। दूसरा, उसे एलर्जी की समस्या है। तीसरा, मुंह की सफाई नहीं रहता। म्यूकस ग्रंथि से कफ बनता है, जो फेफड़ा या श्वास नली से बाहर आता है। बाहर थूकने से दूसरे लोगों संक्रामक बीमारियां हो सकती हैं। घर में हैं तो टॉयलेट में जाकर थूकें। घर के बाहर हैं तो टिश्यू पेपर में थूककर इसे सही तरीके नष्ट करें। यह विकल्प भी न हो बलगम को निगल सकते हैं। यह पेट में जाएगा। पेट में एचसीएल एसिड होता है। बलगम में कोई जीवाणु भी होगा तो मर जाएगा।

कफ की समस्या कई कारणों से हो सकती है। यह सही बात है कि सार्वजनिक जगह पर बलगम थूकने से दूसरे लोग संक्रमण का शिकार हो सकते हैं। कोरोना वायरस का संक्रमण, टीबी समेत कई संक्रामक बीमारियां दूसरों को हो सकती हैं। ऐसे में बहुत मजबूरी न हो तो सार्वजनिक पर चलने या बैठने के दौरान बलगम न निकालें। घर या दफ्तर में हैं तो टॉयलेट में थूकने के बाद अच्छे तरीके से फ्लैश चलाएं। इसके बाद भी कोई विकल्प न हो तो बलगम को निगल जाइए।

भोपाल के इन दो आईएसएस की दूसरी रिपोर्ट भी पॉजिटिव, इलाज जारी

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश में कोरोना पॉजिटिव मरीजों का ग्राफ तेजी से रोजाना बढ़ता जा रहा है. राज्य के अब तक 26 जिले कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं. कोरोना के बढ़ते मरीजों की संख्या में दिनों दिन इजाफा देख स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन परेशान और चिंतित हैं. मध्य प्रदेश में पॉजिटिव मामलों की संख्या जहां हजार के पार हो चली है. तो वहीं मौत का आंकड़ा भी 5 दर्जन से ज्यादा बढ़ चुका है.

स्वास्थ्य विभाग में फैला संक्रमण

भोपाल में कोरोना वायरस के संक्रमण स्वास्थ्य विभाग तक फैल गया है. आंकड़ों पर गौर करें तो 165 के पार शहर के कोरोना के पॉजिटिव मरीज हैं जिनमें लगभग

95 पॉजिटिव मरीज स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी हैं.

3 अप्रैल को हेल्थ कॉर्पोरेशन के एमडी जे विजयकुमार की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई. सदी खांसी के लक्षण दिखने के बाद 31 मार्च से ही आइसोलेटेड रहे और 4 अप्रैल को प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट हो गए.

4 अप्रैल को हेल्थ पीएस पल्लवी जैन गोयल की रिपोर्ट पॉजिटिव आई. इनके साथ स्वास्थ्य के और भी दो अधिकारियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई. रिपोर्ट पॉजिटिव आने के पहले पल्लवी जैन ने कई स्वास्थ्य की समीक्षा बैठकों में भाग लिया. ये माना जा रहा है कि पल्लवी जैन और जे विजयकुमार दोनों ही आईएसएस, कोरोना कैरियर की तरह काम करते गए और पूरे

स्वास्थ्य विभाग को कोरोना संक्रमित बना दिया.?

सबसे पहले स्वास्थ्य विभाग में कोरोना संक्रमण का शिकार पाए गए हेल्थ कॉर्पोरेशन के एमडी जे विजय कुमार और स्वास्थ्य विभाग की पूर्व प्रमुख सचिव पल्लवी जैन गोविल की 14 दिन बीतने के बाद दोबारा जांच कराई गई. दोनों अधिकारी एक निजी हॉस्पिटल में एडमिट हैं. एम्स भोपाल से आई रिपोर्ट में दोनों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है. बताया जा रहा है की रिपोर्ट सोमवार को ही आई थी. दोबारा रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर दोनों अधिकारियों को फिलहाल अस्पताल से छुट्टी नहीं मिलेगी. पूर्ण रूप से स्वस्थ होने के बाद ही दोनों अधिकारी अस्पताल से डिस्चार्ज हो सकेंगे यानी जब तक टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव नहीं आती

कोरोना का असर: गेहूं खरीदी के पहले दिन सिर्फ दस फीसदी किसान ही पहुंचे

बीस हजार किसानों को गेहूं खरीदी करने बुलाया था खरीदी केन्द्र, पहुंचे सिर्फ 21 सौ

खरीदी केन्द्रों पर दिखा कोरोना का असर नहीं आए किसान

1063 खरीदी केन्द्रों पर पहुंचे किसान 3242 खरीदी केन्द्र रहे खाली

नवप्रदेश संवाददाता

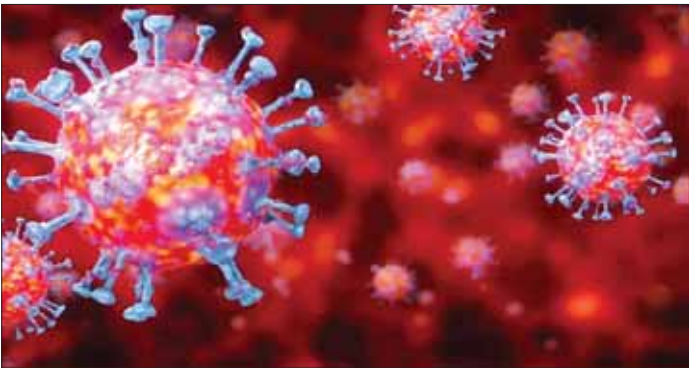
भोपाल। खरीदी केन्द्रों पर भी कोरोना का असर दिखा। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के पहले दिन

बुधवार को सिर्फ दस फीसदी ही किसान खरीदी केन्द्रों पर पहुंचे। तकरीब 60 फीसदी खरीदी केन्द्र दिन भर सूने पड़े रहे, इन केन्द्रो पर एक भी किसान अनाज बेचने के लिए शाम चार बजे तक नहीं पहुंचा। खरीदी केन्द्रों पर किसानों को कोरोना संक्रमण से बचाने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो इसके लिए समितियों ने पूरे इंतजाम किए थे। प्रदेश के 48 जिलों में गेहूं खरीदी के लिए 4035 खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं। इन खरीदी केन्द्रों ने किसानों से अनाज खरीदी के लिए बीस हजार किसानों को उनके मोबाइल पर दो दिन पहले एसएमएस कर आनाज खरीदी के लिए बुलाया था। खरीदी के आज पहले मात्र 2143 किसान पहुंचे। इन किसानों ने 3336 मिट्टिक टन अनाज बेचा। इन जिलों के सिर्फ

1063 खरीदी केन्द्र पर किसान अनाज बेचने पहुंचे, जबकि 3242 खरीदी केन्द्रों पर एक भी किसान गेहूं बेचने के लिए नहीं पहुंचे। विदिशा जिले में सबसे ज्यादा 462 मिट्टिक टन अनाज की खरीदी हुई। करीब 25 जिलों में सबसे कम दस टन से कम गेहूं की खरीदी हुई है। बताया जाता है कि खाद्य विभाग और समितियों ने अनाज खरीदी केन्द्र के बीस हजार किसानों को एसएमएस कर गेहूं खरीदी के लिए 15 अप्रैल को बुलाया था। पहले दिन उन किसानों को बुलाया गया था जो पांच एकड़ से कम भूमि के कास्तकार हैं अथवा उस खरीदी केन्द्र के सबसे छोटे किसान हैं। एक खरीदी केन्द्र पर 6 से 7 किसानों को ही बुधवार को बुलाया गया था।

होगा। तब तक औसत बिल ही दिया जाएगा।

सड़क : सड़कों को लेकर भी सबसे बड़ी परेशानी प्री-मानसून मेटनेंस की है। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने 15 जून तक मेटनेंस करने के आदेश दिए हैं, लेकिन फिलहाल कुछ भी नहीं हो पा रहा है। मेटनेंस मई के दूसरे सप्ताह तक ही शुरू हो पाएगा। इससे इस बार मेटनेंस में दिक्कत आना है। छह हजार किलोमीटर से ज्यादा सड़कें अभी मेटनेंस करने की जरूरत वाली हैं, जबकि जून-जुलाई तक इसकी संख्या बढ़ जाएगी। आर्थिक तंगहाली के कारण नई सड़कों का निर्माण भी नहीं हो पाना है।



फिलहाल 30 अप्रैल तक स्थिति जस की तस रखने के प्रयास हैं। मई में ही आपूर्ति पर ध्यान दिया जाएगा।

बिजली : मानसून के पहले हर साल बिजली लाइनों का मेटनेंस होता है, लेकिन यह इस बार मुश्किल लग रहा है।

संपादकीय

भारत को जानलेवा कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने के लिए जो डाक्टर, नर्स और स्वास्थ्यकर्मों दिनरात एक कर रहे हैं उनपर लगातार हमले किए जा रहे हैं। सारी दुनिया में कोरोना संक्रमण फैला है जहां सभी चिकित्सकर्मों पीड़ित मानवता की सेवा कर रहे हैं लेकिन एक हमारा ही देश है जहां इन देवदूतों पर जेहादी मानसिकता के लोग लगातार हमले कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में कोरोना संक्रमित लोगों को अस्पताल ले जाने के लिए पहुंची स्वास्थ्य टीम पर जाहिलों ने जखमक पत्थरबाजी की। इस पथराव के कारण एक डाक्टर सहित कई स्वास्थ्य कर्मचारी घायल हो गए वहीं एंबुलेंस में भी तोड़ फोड़ की गई। घायल डाक्टरों के मुताबिक यह हमला सुनियोजित था। बहरहाल उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस पत्थरबाजी में शामिल 17 लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें 7 महिलाएं भी हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन पत्थरबाजों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्यवाही करने तथा इन पत्थरबाजों से क्षति की भरपाई करने के आदेश दिए हैं। इसके पूर्व भी मध्य प्रदेश के इंदौर में डाक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों पर हमले किए गए थे, बिहार और बंगाल सहित अन्य राज्यों में भी स्वास्थ्य विभाग की टीम पर हमले हो चुके हैं। कोरोना की चुनौती से निपटने के साथ ही डाक्टरों को इन जाहिलों से भी निपटना पड़ रहा है। यही नहीं बल्कि डाक्टरों और नर्सों के साथ अभद्र व्यवहार की घटनाएं भी लगातार हो रही हैं। ऐसे लोग यह समझने को तैयार ही नहीं है कि चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मचारी अपनी जान खतरे में डाल कर उनकी जान बचाने के लिए उनकी सेवा में लगे हुए हैं। इन कोरोना योद्धाओं पर हमला करना अमानवीय कृत्य है जिसकी जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। इसी तरह पुलिसकर्मियों पर भी लगातार हमले किए जा रहे हैं। सरकार को चाहिए कि ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्यवाही की जाए बल्कि ऐसे जहिलों के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाए और इन्हे जेल में सड़ایा जाए। जब तक ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्ती नहीं बरती जाएगी तब तक कोरोना योद्धाओं पर हमले नहीं रुकेंगे। इस बरे में सभी राज्य सरकारों को कड़े कदम उठानें होंगे और लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों तथा कोरोना योद्धाओं पर हमला करने वालों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करनी होगी।

विचार

कोरोना: कोरिया से सीखें

तालाबंदी में ढील देने के निर्देश आज सरकार ने जारी कर दिए हैं। यह ढील 20 अप्रैल से लागू होगी। कुछ लोगों ने पूछा है कि इसे तुरंत लागू क्यों नहीं किया गया ? प्रधानमंत्री ने कल ही इसकी घोषणा क्यों नहीं कर दी ? यदि वे कर देते तो यह वैसी ही गलती होती जैसी उन्होंने 24 मार्च को अचानक तालाबंदी की घोषणा कर दी थी। यह जो पांच दिन का समय मिला है, इसमें हमारे करोड़ों मजदूर, किसान, व्यापारी, कर्मचारी, ड्राइवर, डॉक्टर, पत्रकार आदि अपने-अपने काम-धंधों को फिर से शुरू करने की पूरी तैयारी करेंगे। लाखों-करोड़ों लोग अपनी जगह से विस्थापित होकर शहरों और गांवों में अटके पड़े हैं। उन्हें लाने-ले जाने के इंतजाम के बारे में सरकार ने अभी कुछ नहीं कहा है, जबकि बसें, रेलें और जहाज अभी भी 3 मई तक बंद रहेंगे। तो क्या लोग ट्रकों और मालगाड़ियों से आवागमन करेंगे ? सरकार को इस बारे में तुरंत सोचना चाहिए, वरना मुंबई के बांद्रा और सूरत जैसी घटनाएं जगह-जगह होने लेंगीं। बांद्रा में तो सारा मामला पूर्व-निर्गोजित लग रहा था। इसीलिए बांद्रा की मस्जिद के मौलवियों की समझावश और पुलिस के डंडों ने हालात पर काबू पा लिया लेकिन अगर ये ही हादसे बड़े पैमाने पर हो गए तो सरकार की बड़ी भद् पिट सकती है। वैसे सरकार ने 20 अप्रैल से जितनी छूटें देने का वादा किया है, उन्हें देखते हुए लगता है कि देश की लगभग 80 प्रतिशत अर्थ-व्यवस्था पटरी पर लौटने लगेगी और यदि इस बीच कोरोना की मार शिथिल पड़ गई तो तालाबंदी 3 मई के पहले शत प्रतिशत हटा ली जाएगी। इस दौरान मनुष्य के जिंदा रहने के लिए जितनी भी बेहद जरूरी चीजें होती हैं, वे सब उसे उपलब्ध हो जाएंगीं। तालाबंदी की यह ढील तय करते समय लगता है कि प्रधानमंत्री ने जितने भी परामर्श-संवाद किए गए थे, उनका पूरा फायदा उठाया गया है। इन निर्देशों में यदि अभी कुछ जोड़ा जा सकता हो तो लोगों को खुलकर सुझाव देने चाहिए। भारत को आनेय एशिया के छोटे-से देश दक्षिण कोरिया से बहुत-कुछ सीखना होगा। वहां एक गिरजाघर की भीड़ से फैले कोरोना पर उन्होंने काबू किया, बिना तालाबंदी के। द. कोरिया में रेलें, बसें, जहाज, दुकानें, कारखाने, रेस्तरां आदि सब चल रहे हैं लेकिन लोग-बाग पूरी सावधानी भी रख रहे हैं। आपको यह जानकारी आश्चर्य होगा कि द. कोरिया में संसदीय चुनाव आजकल जोरों से हो रहे हैं और लाखों लोग अपने घरों से निकलकर मतदान कर रहे हैं। जिस दिन (20 जनवरी) वहां पहला मामला सामने आया, सरकार ने दो हफ्तों में ही एक लाख जांच-यंत्र तैयार कर लिये। अमेरिका और यूरोप अब भी इस मामले में फिस्झू हैं। कोरिया में अभी तक 169 लोग मरे हैं और 5828 लोग ठीक हुए हैं। अमेरिका और यूरोप में मृतकों की संख्या हजारों में है और संक्रमित होनेवालों की लाखों में ! भारत में हताहतों की संख्या अब ज्यों ही कम होने लगे (गर्मीं शुरु हो गई है), उसे द. कोरिया की तरह भारत को खोल देना होगा।

पाठकों की बात

क्षेत्रीय समाचार चैनलों



क्षेत्रीय समाचार चैनलों में समाचार कम और उपदेश देते «मामा जी» ज्यादा दिखते हैं। इतने ज्यादा कि अब तो लगने लगा है चैनलों का नाम मामाजी-1, मामाजी-2, मामाजी-3, ... कर देना चाहिए।

- अनिल पाण्डेय

उंचाई नापने का लोभ

आसमान की विस्तृत उंचाई नापने का लोभ कर बैठे हैं अब एहसास मेरे परिदे सा उड़ने लगा है मन कुलाचे भरने लगी है कल्पनाएं मेरी नित नई उमंगों से प्रेरित हो। कौतुहल भरी निगाहों से ताक रही हूं मैं अंबर का कोना कोना सपनों का आकार देने तक निकली हूं मैं, सच ये वो दौर है जब संभावनाएं सजीव होकर निखर रही हैं।

- निधि भार्गव

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ख़ास प्ताती



वह ख़्वाब में भी आ जाँ ज़लाते है जिनके गीत रोज हम गुनगुनाते है कभी सूरज ,कभी चाँद में छुग जाते है बिन बदली भी बिजली यूँ गिरा जाते है सूरत भली सीरत भी भली लगती है दिल, जेहन में वे सीधे उतर जाते है

मालिक ने हुकुमत दी, ताकत दी,हुनर दिया फिर भी मेरे मुसिफ, इंसाफसे कतराते है सभी महबे इतेजार, धड़कने बढ़ी सी लगती है जब मेहरबानों , जवाँ शब में हँसते हुए आते है।

- जावेद उस्मानी

लौटकर आना हर बार की तरह

लौटकर आना, हर बार की तरह साथ होना नहीं होता लौटने से पहले बनाई गयी दूरियाँ होठों पर मुस्कुराहट नहीं लौटने देती आवाज को खनकने नहीं देती चेहरे को चमकने नहीं देती काजल को महकने नहीं देती कोई उदासी काले घेरे बनकर आँखों के नीचे घर कर लेती है उसका लौटना उसकी तरह नहीं था जो हर बार लौटकर, पहले से और भी ज्यादा अपना बना लेता था कोई खामोश अजनबी सा फसला भी इस बार के लौटने के साथ आया था ।

- अनामिका चक्रवर्ती

बिन तेरे अखरे है बिछोना सूना लगता

बिन तेरे अखरे है बिछोना सूना लगता अब हर कोना ना जानूँ, कब तुम लौटोगे गए कम्बख़्त कोरोना कुछ उपाय भी अब ना सूझे ना चलता कोई जादूतना सबको बंद किया है घरों में काम किया कैसा ये धिनीना तेरे सिवा कौन अब मेरा तू ही था मदमस्त खिलोना।

- जे डी कुदाल

योगेश कुमार गोयल

आरोग्य सेतु के अलावा पंजाब, तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा इत्यादि कुछ राज्य सरकारों द्वारा भी ऐसे मोबाइल एप शुरू किए जा चुके है, जिनके जरिये कोरोना से संबंधित जानकारीयें हासिल की जा रही हैं। आंध्र प्रदेश में ‘कोरोना अलर्ट ट्रेसिंग सिस्टम’ का उपयोग शुरू किया जा रहा है, जिसके जरिये होम कार्टीन में रखे गए हजारों लोगों पर नजर रखी जा रही है। हिमाचल प्रदेश में भी ‘कोरोना मुक्त हिमाचल’ एप जल्द लांच किए जाने की संभावना है। कर्नाटक सरकार में तो गत दिनों सरकार द्वारा यह आदेश दिए गए थे कि लोग हर घंटे अपनी सेलफ़ी खींचकर भेजें। वहां ‘कोरोना वाच’ एप के जरिये कोरोना पॉजिटिव लोगों के पिछले 14 दिनों के मूवमेंट के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्या है और कैसे कार्य करता है ‘ आरोग्य सेतु ’ एप?

कोरोना महामारी से इस समय पूरी दुनिया एक बड़ी जंग लड़ रही है। पिछले दिनों इसी जंग में मदद के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा ‘आरोग्य सेतु’ नामक एक एप लांच किया गया और उसके बाद प्रधानमंत्री द्वारा की गई अपील के पश्चात् करोड़ों भारतीयों द्वारा इस एप को डाउनलोड किया जा चुका है। 14 अप्रैल को राष्ट्र के नाम दिए संदेश में भी प्रधानमंत्री ने एक बार फिर प्रत्येक व्यक्ति से इस महत्वपूर्ण एप को डाउनलोड करने की अपील की, जिसके बाद लोगों द्वारा इस एप के प्रति उत्साह देखा जा रहा है। इस एप का निर्माण भारत सरकार के आयुष विभाग द्वारा लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सुरक्षित रखने के लिए किया गया है तथा एप में कोरोना के लक्षण, बचाव तथा रोकथाम से जुड़ी जानकारीयां दी गई हैं। यही कारण है कि कोरोना के खिलाफ प्रभावी ढंग से लड़ाई लड़ने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के सभी जवानों को यह एप इंस्टॉल की निर्देश दिया गया है। इसके अलावा रेलवे द्वारा अपने करीब 13 लाख कर्मचारियों और मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े सभी लोगों, शिक्षकों तथा छात्रों को भी यह एप डाउनलोड तथा इंस्टॉल करने को कहा गया है।

क्या है ‘ आरोग्य सेतु ’ एप ?

‘आरोग्य सेतु’ एप लोगों को कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे तथा जोखिम का आकलन करने में मदद करता है। लोगों को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाने के उद्देश्य से यह एप बनाया गया है। जिस भी व्यक्ति के फ़ोन में यह एप होगा, वह दूसरों के सम्पर्क मूं कितना रहा है, यह पता लगाने के लिए ब्लूटूथ तकनीक, एल्गोरिदम तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआर) तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। हमारे मोबाइल की ब्लूटूथ, जीपीएस तथा मोबाइल नंबर का उपयोग करते हुए यह विशेष एप हमारे आसपास मौजूद कोरोना पॉजिटिव लोगों के बारे में पता लगाने में मदद करता है। इसके अलावा यह संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आने की आशंका के बारे में भी अलर्ट नोटिफ़िकेशन देता है। हालांकि यह केवल तभी पता चल सकता है, जब सम्पर्क में आने वाले आसपास के संदिग्ध संक्रमित व्यक्ति ने भी यह एप अपने मोबाइल फ़ोन में इंस्टॉल किया हो और यह सक्रिय हो। यही कारण है कि इस एप को

ज्यादा से ज्यादा मोबाइल फ़ोनों में इंस्टॉल कराने के लिए अभियान चलाने पर जोर दिया जा रहा है। इस एप को एंड्रॉयड स्मार्टफ़ोन के अलावा आईफ़ोन में भी इंस्टॉल किया जा सकता है। कांटेक्ट ट्रेसिंग के लिए यह एप हमारे मोबाइल नंबर, ब्लूटूथ तथा लोकेशन डाटा का उपयोग करता है और बताता है कि आप कोरोना के जोखिम के दायरे में हैं या नहीं। लोकेशन और ब्लूटूथ का इस्तेमाल करते हुए एप जांचता रहता है कि आपके आसपास कोई संक्रमित व्यक्ति अथवा संभावित संक्रमित तो नहीं है। यह एप तभी कार्य करता है,



जब आप अपने मोबाइल नंबर को रजिस्टर करते समय ओटीपी से उसे प्रमाणित करते हैं। यदि आप जरूरत के समय में स्वयंसेवक (वॉलंटियर) बनने की इच्छा रखते हैं तो एप रजिस्टर करते समय स्वयं को इसके लिए नामांकित करने का विकल्प भी इसमें मौजूद है। एप में कोरोना से बचाव के लिए सभी जरूरी दिशा-निर्देश तथा सुझाव भी दिए गए हैं।

कैसे करें इंस्टॉल ?

सबसे पहले अपने मोबाइल की लोकेशन तथा ब्लूटूथ ऑन कर लें। अब ‘एपल स्टोर’ अथवा ‘गूगल प्ले स्टोर’ को खोलें और सर्च में ‘दुधम्बद4डुधरुदह्द टाइप करें। यहां से इस एप को अपने मोबाइल में इंस्टॉल करें। जब आप यह एप इंस्टॉल करेंगे, यह आपसे मोबाइल की लोकेशन उपयोग करने की अनुमति मांगेगा। इंस्टॉल करने के बाद मोबाइल की ब्लूटूथ तथा लोकेशन दोनों सदैव ऑन रखें क्योंकि यह एप

छूट और लॉकडाउन , सावधानी हटी दुर्घटना घटी!

20 अप्रैल के बाद ये सभी कारोबारी सामाजिक दूरी बनाते हुए अपना काम जारी रख सकते हैं। खेती से जुड़ी सारी गतिविधियां चालू रहेगी। प्रधानमंत्री के निर्देश के बावजूद मध्यवर्गीय नौकरियों में छंटनी की खबरें आने लगी हैं। कहीं ऐसा न हो कि महामारी के समाप्तांतर समाज में एक भारी उथल-उथल के हालात भी पैदा हो जाएं। उद्योगों की मांग पर सरकार को विचार करना ही होगा लेकिन इंडस्ट्री को फिर से मजबूत बनाने के लिए बाजार में मांग होना जरूरी है। इसके लिए किसानों को अलग से सहायता देनी होगी। मजदूरों को अभी कुछ और दिनों तक राशन और अन्य सरकारी सहायता की जरूरत पड़ेगी। पिछले महीने ही सरकार ने 1.70 लाख करोड़ रुपये का राहत पैकेज जारी किया है, लेकिन समस्या यह है कि कोविड-19 का संकट अभी ज्यों का त्यों बना हुआ है। उससे जुझने में कितना समय और धन खर्च होने वाला है, कोई नहीं जानता। इसलिए सरकार चाहकर भी अपने सारे पते अभी के अभी नहीं खोल सकती। किसानों और खेत मजदूरों को फसल कटाई से जुड़े काम करने की छूट रहेगी। कृषि उपकरणों की दुकानें, उनकी मरम्मत और स्पेयर पार्ट्स की दुकानें खुली रहेगी। उद्योग जगत ने कोविड-19 महामारी से बुरी तरह प्रभावित देश की अर्थव्यवस्था को नए सिरे से खड़ा करने के लिए 14 से 16 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज की मांग की है।

फिक्की के मुताबिक राष्ट्यापी लॉकडाउन की वजह से हर रोज 40 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। इस हिसाब से पिछले 21 दिनों में 7-8 लाख करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है। फिक्की का कहना है कि इस साल अप्रैल से सितंबर के बीच 4 करोड़ लोगों की नौकरियां खतरे में हैं। इससे लॉकने के लिए एक तात्कालिक राहत पैकेज जरूरी है। लॉकडाउन के दूसरे चरण में दी गई छूटों से प्रांथिक स्तर की कुछ आर्थिक गतिविधियां पटरी पर आ सकती हैं। इससे एक बड़े तबके की रोजी-रोटी पर लगा ताला भी खुलेगा। हालांकि इसमें सबसे बड़ी चुनौती सोशल



मालिकों को पूरी जवाबदेही खुद पर लेनी होगी क्योंकि इसके लिए हर जगह पुलिस नहीं लगाई जा सकती। आने वाले समय में मिडल क्लास से जुड़े काम-धंधे पर भी ध्यान देना होगा। आखिर यह तबका कब तक सब कुछ छोड़कर घर बैठ रहेगा?

कोरोना पर नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार देश के उद्योगपतियों, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, इंजीनियरों से भी लगातार आह्वान कर रही है कि इस महामारी की रोकथाम के लिए जो भी चिकित्सकीय उपकरण व दवाई देश में बन सके उनको बनाने की दिशा में सभी सार्थक प्रयास करें और अपने अपने स्तर पर उनका निर्माण भी प्रारंभ करें। ताकि देश में चिकित्सा उपकरणों की कमी ना रहने पाये। इसके अलावा केंद्र सरकार बड़ी संख्या में विदेशों से भी चिकित्सकीय उपकरणों, आवश्यक दवाओं का आयात कर सभी प्रदेश सरकारों को आपूर्ति भी कर रही है। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चमत्कार ही कहे कि उनके आह्वान पर देश की जनता ने पहली बार लगातार 21 दिन के लाकडाउन को सफल

तभी काम करेगा, जब ये दोनों ऑन होंगे। इन्हीं के जरिये इस एप को यह पता रहेगा कि आप कब और कहाँ जा रहे हैं और बाहर आप अनजाने में ही किसी कोरोना संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में तो नहीं आए हैं। एप खोलने के बाद 11 उपलब्ध भारतीय भाषाओं में से अपनी एक पसंदीदा भाषा का चयन करें। अब अपना रजिस्ट्रेशन करने के लिए यहां अपना नाम, उम्र, लिंग, व्यवसाय, पिछले 14 दिनों में की गई विदेश यात्रा इत्यादि की सही-सही जानकारी दें। एप में सेंट्रल तथा सभी प्रदेशों के हेल्पलाइन नंबर की जानकारी उपलब्ध है, जिस पर क्लिक पर आप वह नंबर डायल कर सकते हैं।

यह एप काम कैसे करता है ?

यह एप ‘सेल्फ असेसमेंट टेस्ट’ में दी गई निजी जानकारी के अलावा लक्षण, बीमारी इत्यादि जानकारीयां तथा आपकी लोकेशन के आधार पर बताता है कि आपको कोरोना का कितना खतरा है और आपको फ़ोन पर परामर्श की, कोरोना का टेस्ट कराने की या डॉक्टर के दिखाने की जरूरत है या नहीं। इस सेल्फ असेसमेंट टेस्ट के आधार पर ही कोरोना के जोखिम का अंदाजा लगाया जाता है और बाकी लोगों को भी उसी के आधार पर अलर्ट किया जाता है, इसलिए यह बेहद जरूरी है कि रजिस्टर करते समय इसमें बिल्कुल सही जानकारी दी जाए। अगर आपको कोरोना का जोखिम है तो एप के

जरिये आपको जानकारी मिलेगी कि आपको कोरोना की जांच कराने की जरूरत है या केवल क्वारंटीन से ही काम चल जाएगा। यदि कोरोना परीक्षण कराए जाने की जरूरत है तो यह परीक्षण कहाँ करा सकते हैं, यह जानकारी भी आपको मिल जाएगी। आरोग्य सेतु एप में हरे तथा पीले रंग के जोन के जरिये जोखिम का स्तर दर्शाया जाता है। अगर आपके मोबाइल की एप में आपको हरे जोन में दिखाया जाता है तो इसका अर्थ है कि आपको कोई खतरा नहीं है और आप सुरक्षित हैं लेकिन कोरोना से बचने के लिए आपके लिए सामाजिक दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) को बनाए रखना और घर पर रहना आवश्यक है। अगर आपको इस एप में पीले रंग में दिखाया जाता है तो इसका अर्थ है कि आपको बहुत जोखिम है और आपको हेल्यलाइन पर सम्पर्क करना चाहिए।

QUIZ TIME

- 42 वें संविधान संशोधन के माध्यम से भारतीय संविधान में कितने मौलिक कर्तव्य सम्मिलित किए गए थे?
- (क) 11 (ख) 9 (ग) 10 (घ) 12
- किस सिख गुरु की जयन्ती ‘गुरुपरब’ त्यौहार के रूप में मनाई जाती है?
- कौन-से राज्य पालघाट दर्रे से आपस में जुड़े हुए है? (केरल और तमिलनाडु /

1) 42 वें संविधान संशोधन के माध्यम से भारतीय संविधान में कितने मौलिक कर्तव्य सम्मिलित किए गए थे?

(क) 11 (ख) 9 (ग) 10 (घ) 12

2) किस सिख गुरु की जयन्ती ‘गुरुपरब’ त्यौहार के रूप में मनाई जाती है?

3) कौन-से राज्य पालघाट दर्रे से आपस में जुड़े हुए है? (केरल और तमिलनाडु /

1) 42 वें संविधान संशोधन के माध्यम से भारतीय संविधान में कितने मौलिक कर्तव्य सम्मिलित किए गए थे?

(क) 11 (ख) 9 (ग) 10 (घ) 12

2) किस सिख गुरु की जयन्ती ‘गुरुपरब’ त्यौहार के रूप में मनाई जाती है?

3) कौन-से राज्य पालघाट दर्रे से आपस में जुड़े हुए है? (केरल और तमिलनाडु /

तमिलनाडु और आंध्रप्रदेश)

4) ईस्ट इंडिया कंपनी ने किस वर्ष में कलकत्ता में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की थी?

5) प्रख्यात लेखक का नाम बताएं जिन्हें ‘रहस्यवादी कलिंग साहित्य पुरस्कार- भारतीय और वैश्विक

भाषाएँ’ से सम्मानित किया गया ?

बाहर कोरोना अंदर भूख.?

नई दिल्ली। 1524 - जियोवांनी वेराजानो ने न्यूयॉर्क खाड़ी की खोज की। 1875 - सर नेविले चैम्बरलिन ने सूकर का अविष्कार किया। 1895 - जापान और चीन के बीच शिमोनेसेकी का समझौता हुआ। 1899 - कलकत्ता (अब कोलकाता) की पनबिजली मिली। 1941 - द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यूगोस्लाविया ने जर्मनी के समक्ष आत्मसमर्पण किया। 1946 - सीरिया ने फ्रांस से स्वतंत्रता हासिल की। 1971 - मिस्त्र, लीबिया और सीरिया ने मिलकर यूनाइटेड अरब स्टेट बनाने के लिए संघ का गठन किया। 1975 -भारत के द्वितीय राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन का निधन। 1977 - स्वतंत्रता पार्टी का जनता पार्टी में विलय। 1982 - कनाडा ने संविधान अपनाया। 1983 - भारत ने एसएलवी-3 रॉकेट का प्रक्षेपण किया।

परकार से कमी कहाँ रह गई। आज मैं कंस्ट्रक्चिव सजेशन देना चाहता हूँ, तु-तू-मैं-मैं नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि मैं बहुत सी बातों में नरेंद्र मोदी से असममत होता हूँ, मगर आज मोदी जी से लड़ने का समय नहीं, बल्कि कंजुट होकर कोरोना वायरस से लड़ने का समय है। राहुल गांधी ने कहा कि देशभर में कंजुटकाइजण को रणनीति के तहत खोलना होगा। उन्होंने कहा कि अगर बीमारी से लड़ना हो तो हिन्दुस्तान को जाति-धर्म को भूलकर एक होना पड़ेगा। जहाँ हिन्दुस्तान ने बीच में लड़ाई की, बात नहीं खत्म हो जाएगी। इस बीमारी के लिए लड़ने पैमाने पर जांच होनी चाहिए। इसकी को नुकसान नहीं है। उन्होंने देशवासियों से कहा कि आपको इस कोरोना वायरस से डरने की जरूरत नहीं है। भारत इससे लड़ेंगे और जीवितगाएँ। यह थोड़ा कठिन और मुश्किल जरूर है, मगर हम सब मिलकर इससे लड़ेंगे। भारत जानता है कि किस पेशानी से कैसे लड़ा जाता है। राहुल ने कहा कि बहुत लोगों को डर लग रहा है कि ये बेरोजगारी होगी, भोजन नहीं मिलेगा। आपको डरने की जरूरत नहीं है।

